INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION

(DEEMED TO BE UNIVERSITY)

of

GANDHI VIDYA MANDIR, SARDARSHAHR

(CHURU) RAJASTHAN – 331403

Phone – 01564 – 220025, 223642, 223054

Web : www.iaseuniversity.org.in

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSE OF STUDY

FACULTY OF HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES

DEPARTMENT OF HINDI

ENTRANCE TEST FOR Ph.D.

Session – 2018-19

Institute of Advanced Studies In Education
(Deemed To Be University)
Gandhi Vidya Mandir, Sardarshahr – 331401

Entrance Test for Ph.D. : 2018-19

Duration: 2 Hours   Max. Marks : 300

हिन्दी

नियम : प्रश्न पत्र 300 अंकों का होगा जिसमें कुल 100 प्रश्न होंगें, प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न पर ऋणात्मक मूल्यांकन के लिए 1 अंक काटा जायेगा। प्रश्नों के उत्तर OMR सीट पर देने होंगें। प्रश्नों के उत्तर हिन्दी और अंग्रेजी दोनों माध्यम से दे सकते हैं।

1. हिन्दी भाषा और उसका विकास

अपभ्रंश (अवहट्‌ठ सहित) और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध, काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास, मानक हिन्दी का भाषा वैज्ञानिक विवरण (रूपगत), हिन्दी की बोलियाँ – वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण।

हिन्दी प्रसार के आन्दोलन, प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी।

हिन्दी भाषा–प्रयोग के विविध रूप – बोली, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम और हिन्दी।

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य का इतिहास–दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की पद्धतियाँ।

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास–ग्रन्थ, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाएं एवं पत्र–पत्रिकाएं, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण।

आदिकाल : हिन्दी साहित्य का आरम्भ, कब और कैसे? रासो साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक, गद्य तथा लौकिक साहित्य।

मध्यकाल : भक्ति–आन्दोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।

हिन्दी सन्त काव्य : सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि कबीर, नानक, दादू, रैदास, सन्त काव्य की प्रमुख विशेषताएं, भारतीय धर्म साधना में सन्त कवियों का स्थान।

हिन्दी सूफी काव्य : सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य –

मुल्ला दाऊद (चन्दायन), कुतुबन (मृगावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत), सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएं।

हिन्दी कृष्ण काव्य : विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण–भक्त कवि और काव्य, सूरदास (सरू सागर), नन्ददास (रास पंचाध्यायी), भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य – मीरा और रसखान।

हिन्दी राम काव्य : विविध सम्प्रदाय, राम भक्ति–शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य रूप और उनका महत्त्व।

रीति काल – सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि : केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द और पद्माकर, रीतिकाव्य में लोकजीवन।

आधुनिक काल : हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास।

भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, 1857 की राज्य क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उसका मण्डल, 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध की हिन्दी पत्रकारिता।

द्विवेदी युग : महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि।

छायावाद : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, प्रगतिवाद : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, प्रयोगवाद : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, नई कविता : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, नई कविता : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, साठोत्तर कविता एवं समकालीन कविता : विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि।

3. हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

हिन्दी उपन्यास : प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार : जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ 'रेणु', भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रजा, रांगेय राघव, मन्नू भण्डारी।

हिन्दी कहानी : बीसवीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आन्दोलन।

हिन्दी नाटक : हिन्दी नाटक और रगमंच, विकास के चरण और प्रमुख नाट्यकृतियाँ : अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, अन्धायुग, आधे–अधूरे, आठवाँ सर्ग, हिन्दी एकांकी।

हिन्दी निबन्ध : हिन्दी निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार : रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई।

हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक : रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही।

हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा–साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिर्पोताज।

4. काव्यशास्त्र और आलोचना

भरत मुनि का रस सूत्र और उसके प्रमुख व्याख्याकार।

रस के अवयव। साधारणीकरण।

शब्द शक्तियाँ और ध्वनि का स्वरूप।
अलंकार : यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति, विशेषोक्ति, दृष्टान्त, उदाहरण, प्रतिवस्तपू मा, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, विभावना, असंगति तथा विरोधाभास।

रीति, गुण, दोष।

मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब।

स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता।

समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ : विडम्बना (आयरनी), अजनबीपन (एलियनेशन), विसंगति (एब्सर्ड), अन्तर्विरोध (पैराडॉक्स), विखण्डन (डिकन्स्ट्रक्शन)।